Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में सोमवार
सायं 5:30 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में मंगलवार
सुबह 7:12 बजे

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 171 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | सोमवार, 29 दिसंबर 2025

चर्चा में रहीं ट्विंकल खन्ना...पेज-3 पर

News कॉर्नर

नैनीताल में खिली गुनगुनी धूप

नैनीताल । एक ओर जहां रविवार को तराई भावर कोहरे की सफेद चादर में लिपटा रहा वहीं दूसरी ओर सरोवर नगरी नैनीताल में दिनभर को मौसम खुशनुमा बना रहा । गुनगुनी धूप पूरे दिन खिली रही। स्थानीय लोगों समेत पर्यटकों ने मौसम का जमकर लुत्फ उठाया।

बता दें नैनीताल पहुंचे सैलानी नगर का खुशनुमा मौसम देख आश्चर्यचकित हुए । नगर में सुबह से शाम तक धूप खिली हुई थी और दिन के समय खासी गरमाहट महसूस हुई , मगर सांझ होते ही पाला गिरना शुरू हो गया और ठंड में बढ़ोतरी हो गई। लोग टोपी मफलर पहनने को मजबूर हो गए। इधर नगर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पारा गिरकर चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 18 न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जबकि आद्रता अधिकतम 800 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही।

विनय त्यागी हत्या: अब एसआईटी करेगी जांच

हरिद्वार। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात विनय त्यागी की लक्सर में गोलियों से भूनकर हत्या करने के मामले में बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया है। मामले की जांच तथ्यपरकता के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं। 24 दिसंबर को रुड़की जेल से लक्सर अदालत में पेशी पर ले जाते समय कुख्यात गैंगस्टर विनय त्यागी पर पुलिस की गाड़ी में ही बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। करीब तीन गोलियां लगने से विनय गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे एम्स रेफर किया गया था, जहां तीन दिन बाद इलाज के दौरान शनिवार सुबह विनय ने दम तोड़ दिया था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया था। मामले को हत्या के प्रयास से हत्या में तरमीम करते हुए जांच शुरू कर दी गई।

थर्टी फार्स्ट से पहले बारिश-बर्फबारी के आसार, आज शीत लहर की चेतावनी

देहरादून
हमारे संवाददाता

उत्तराखंड का मौसम नए साल से पहले बारिश-बर्फबारी का तोहफा दे सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 30-31 दिसंबर के साथ एक-दो जनवरी को पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी की संभावना है। उधर 29 दिसंबर को दून समेत छह जिलों में घना कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट जारी किया गया। पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून, पौड़ी, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, चंपावत और नैनीताल जिले के कुछ हिस्सों में सोमवार को घना कोहरा छाया रह सकता है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि कोहरा छाने से पर्वतीय इलाकों के साथ मैदानी क्षेत्रों में भी सूखी ठंड परेशान करेगी। इसके अलावा 30-31 दिसंबर से दो जनवरी तक उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग जिले के कुछ हिस्सों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। प्रदेश के 3200 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में भी बर्फबारी की संभावना है। इसका सीधा असर प्रदेशभर के तापमान पर देखने को मिलेगा। तीन जनवरी को प्रदेशभर का मौसम शुष्क रहेगा।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत समूचे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री रहा। उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में शीतलहरी चली। पहाड़ी इलाकों में लद्दाख के द्रास में पारा शून्य से 14.2 डिग्री नीचे चला गया। पंजाब और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई। भीषण शीतलहर को देखते हुए यूपी में 12वीं तक के सभी स्कूलों को एक जनवरी तक बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी ठंडी हवाओं ने लोगों को सताया। असम के गुवाहाटी में भी शीत लहर का प्रकोप रहा।

पटरी से उतरे ट्रेन के डिब्बे, 90 से ज्यादा घायल

मैक्सिको में बड़ा रेल हादसा, 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली/मेक्सिको
एजेंसी

उत्तरी अमेरिकी देश-मैक्सिको में बड़ा रेल हादसा हुआ है। ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने के कारण हुई इस दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हुई है। 98 यात्रियों के घायल होने की खबर है। हादसे के बाद प्रशांत महासागर को मैक्सिको की खाड़ी से जोड़ने वाली रेल लाइन पर यातायात ठप हो गया। राष्ट्रपति शिनबाम ने हताहतों की मदद के लिए घटनास्थल पर सरकारी एजेंसियों को भेजने के निर्देश दिए हैं।

मेक्सिको रेल हादसे में 13 लोगों की मौत और 98 लोगों के घायल होने की खबर है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखे पोस्ट में बताया कि नौसेना ने 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकारी राहत और बचाव कार्य एजेंसियों को मौके पर भेजा गया है। गवर्नर को भी पीड़ित यात्रियों की हरसंभव मदद करने का निर्देश दिया गया है।

बता दें कि इस रेल सेवा की शुरुआत साल 2023 में हुई थी। फिलहाल ये ट्रेन सलीना क्रूज बंदरगाह से कोएटज़ाकोल्कोस के बीच 290 किलोमीटर का सफर करती है।

एक्सहैंडल @pastormatias02 पर जारी वीडियो और तस्वीरों में देखा जा सकता है कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल है। एक अन्य यूजर- @raulbrindis ने भी निजांडा शहर के पास हादसे का शिकार हुई ट्रेन की तस्वीरें साझा की हैं। राष्ट्रपति शिनबाम के निर्देश पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। ओक्साका के गवर्नर ने बताया कि रेल हादसे का शिकार हुए 60 से अधिक यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर जारी बयान में लिखा, 11 लोगों का इलाज स्यूदाद इक्स्टेपेक के जनरल हॉस्पिटल में कराया जा रहा है। 22 घायलों को जुचिटान के जनरल हॉस्पिटल भेजा गया है, जबकि 29 घायल यात्रियों को माटियास रोमेरो के IMSS ज़ोन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

इंडोनेशिया में वृद्धाश्रम में आग लगने से 16 बुजुर्गों की मौत

जकार्ता
एजेंसी

इंडोनेशिया में एक वृद्धाश्रम में लगी आग से 16 बुजुर्गों की मौत हो गई। हादसे की वजह की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि छह फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इंडोनेशिया में एक रिटायरमेंट होम (वृद्धाश्रम) में लगी आग के चलते 16 बुजुर्गों की मौत हो गई। घटना रविवार शाम की है। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावासी प्रांत में स्थित मनाडो इलाके में एक एकमंजिला मकान था, जिसमें रिटायरमेंट होम संचालित हो रहा था। रिटायरमेंट होम में रहने वाले लोग जब सो रहे थे, तब वहां आग लगी, जिसकी चपेट में आकर 16 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हादसे में मृतकों का आंकड़ा 16 हो गया है, जिनमें से 15 लोगों की मौत जलने की वजह से हुई और एक व्यक्ति की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे में 15 लोगों को बचाया गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान के लिए उनके परिजनों को अस्पताल बुलाया गया है। अग्निशमन दल के लोगों ने बताया कि आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आस पास रहने वाले लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद कहा है कि बिजली की फीटिंग में खराबी की वजह से यह आग लगी। हालांकि विस्तार से जांच के बाद ही असल वजह का पता चल सकेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को मिली जान से मारने की धमकी

देहरादून
हमारे संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से रविवार को उनके निजी मोबाइल नंबर पर लगातार फोन आ रहे हैं। कोई व्यक्ति गाली गलौज व अपशब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने देहरादून के एसएसपी से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसएसपी को दिए गए पत्र में भट्ट ने बताया कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से रविवार को उनके निजी मोबाइल नंबर पर लगातार फोन आ रहे हैं। कोई व्यक्ति गाली गलौज व अपशब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

कई बार समझाने के बाद भी वह नहीं मान रहा है। कहा कि उक्त व्यक्ति द्वारा शायद किसी राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर इस तरह की हरकत की जा रही है। इससे जहां मेरी राजनीतिक छवि धूमिल हो रही है, वहीं इससे मेरे जीवन को खतरा भी हो सकता है।

अंतरिक्ष की ओर एक कदम: बीएलएम अकैडमी में एस्ट्रो-पिको सैट का ऐतिहासिक प्रक्षेपण

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

बी.एल.एम. अकैडमी विज्ञान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि की साक्षी बनी। उत्तराखंड में पहली बार एस्ट्रो-पिको सैट का हीलियम बैलून के माध्यम से उपग्रह प्रक्षेपण बी.एल.एम. एकेडमी परिसर में सफलतापूर्वक किया गया, जो राज्य में अपनी तरह का पहला उपग्रह प्रक्षेपण रहा। यह मिशन एस्ट्रो-पिको सैट का पहला परीक्षण प्रक्षेपण भी था, जिसने इस आयोजन को और अधिक विशेष एवं गौरवपूर्ण बना दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर एसपी सिटी, डॉ. जगदीश चंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और स्कूल प्रबंधन व विद्यार्थियों को इस ऐतिहासिक पल की शुभकामनायें दी।इस प्रक्षेपण के माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित दर्शकों को प्रत्यक्ष रूप से यह समझने का अवसर मिला कि उपग्रह किस प्रकार प्रक्षेपित किए जाते हैं तथा पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में वैज्ञानिक प्रयोग कैसे संपन्न होते हैं। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने उपग्रह प्रक्षेपण की वास्तविक प्रक्रिया, पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल की संरचना तथा वास्तविक जीवन में विज्ञान एवं अंतरिक्ष प्रयोगों की कार्यप्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। बी.एल.एम. एकेडमी सहित जीडी गोईंका, दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल आदि विद्यालयों से आए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनकर विज्ञान को केवल पुस्तकों या वीडियो तक सीमित न रखते हुए सजीव रूप में अनुभव किया।विद्यालय प्रबंधन द्वारा एस्ट्रो पाठशाला को विद्यालय परिसर में इस प्रक्षेपण की अनुमति देना विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करेगा तथा उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण का अनुभव किया और विज्ञान व अंतरिक्ष की अद्भुत दुनिया से रूबरू हुए। इस ऐतिहासिक मिशन में एस्ट्रो वर्स के सह-संस्थापक श्री शुभम कुमार, श्री अजय एवं श्री राहुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, संस्था के सीटीओ श्री रैपिंग थापा ने तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे 19 वर्षीय युवा तकनीकी विशेषज्ञ आकर्ष, जिनकी प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी दक्षता ने कम आयु में ही एस्ट्रो वर्स को अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी लगन और कौशल इस बात का प्रमाण हैं कि आज का युवा वैज्ञानिक सोच और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छूने में सक्षम है।बीएलएम प्रबंधक साकेत अग्रवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के लिये आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेंगे।

बीएसएसवी में एनएसएस शिविर के तहत कई कार्यक्रम

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगर के प्रतिष्ठित भारतीय शहीद सैनिक स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर रविवार को अत्यंत अनुशासित, प्रेरणादायी एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेशों से परिपूर्ण वातावरण में सफ लतापूर्वक आयोजित हुआ।

स्वयंसेवियों के दिन की शुरुआत प्रातः प्रभात वंदन से की। इसके पश्चात स्वयंसेवियों ने योग एवं व्यायाम कर शारीरिक व मानसिक सशक्तता प्राप्त की। ईश वंदना के उपरांत लक्ष्य गीत के सामूहिक गायन के साथ दिन की गतिविधियों का शुभारंभ किया गया।दिन के पूर्वार्द्ध में स्वयंसेवियों द्वारा श्रमदान किया गया।इसके उपरांत आयोजित बौद्धिक सत्र में मुखय अतिथि के रूप में प्रखयात पर्यावरणविद् चंदन सिंह नयाल ने स्वयंसेवियों से प्रकृति के प्रति जिममेदारी निभाने का आह्वान किया। सत्र में पर्यावरणविद् यशपाल रावत ने स्वयंसेवियों द्वारा किए जा रहे सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की प्रशंसा की तथा स्वयंसेवियों के साथ मिलकर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया वहीं पर्यावरणविद श्रीमती ललिता जलाल ने अपने वर्मी कंपोस्ट प्लांट के बारे में जानकारी देते हुए स्वच्छ देश व हरित देश बनाने का संदेश दिया तथा नैनीताल क्षेत्र में किस तरह से कचरा निपटान किया जाता है इस पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान एनएसएस के मंडलीय समन्वयक ललित मोहन पांडे ने अपने उद्बोधन में स्वयंसेवियों के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की जबकि जिला समन्वयक जगमोहन नेगी ने एनएसएस की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया ।

कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवी सुनैना ने किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता, कार्यक्रम प्रभारी मीनाक्षी बिष्ट, निशा बनौला, आलोक भट्ट,उत्कर्ष बोरा एवं दिव्या ढैला उपस्थित रहे तथा निरंतर स्वयंसेवियों का मार्गदर्शन करते रहे।

क्रिकेट खिलाड़ियों ने पौधरोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

नैनीताल

हमारे संवाददाता

राज्य आंदोलनकारी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान रविवार को 531वें दिन भी जारी रहा।

पौधारोपण अभियान के 531वें दिन डीडीहाट क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों वह आरसीसी के संचालक दीपक चूफ ाल के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय माधव सिंह जंगपांगी अटल आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज डीडीहाट परिसर में एक पौधा धरती मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया। संगठन के पदाधिकारियों व दीपक चूफ ाल ने कहा कि क्रिकेट में भाग लेने वाले सभी खिलाडियों को भी पौधारोपण अभियान से जोड़ा जाएगा ताकि वह भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित होते हुए अपने गांव में भी पौधा रोपण करेंगे। कार्यक्रम में सुनील शाह,किशोर शाह, अशोक खड़ायत, प्रवीण कन्याल, मुकेश कन्याल, मोहन सिंह,प्रदीप कन्याल, विक्रम बिष्ट, धर्मेंद्र टोलिया, दान सिंह, दीवान शाही, जीवन, बबलू शाह, कमलेश सामंत सहित पदाधिकारी शामिल रहे। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधा रोपण अभियान जारी रहेगा।

नैनीताल में कोर एशेंस लाइफ रूट फाउंडेशन ने चलाया सफाई अभियान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कोर एशेंस लाइफ रूट फ ाउंडेशन की जागरुक टीम ने रविवार को नैनीताल के कुविवि के डीएसबी कैंपस के आस पास के क्षेत्रों में विशेष सफ ाई अभियान चलाया।

इस अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने कैंपस के बाहरी रास्तों और आसपास के ढलानों से भारी मात्रा में कचरा, प्लास्टिक और विशेषकर शराब की बोतलें एकत्र कीं। फ ाउंडेशन ने इस बात पर चिंता जताई कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह कचरा फैलाना पर्यावरण और शहर की छवि के लिए हानिकारक है।सफ ाई अभियान को सफल बनाने में ज्योति दुर्गापाल, राजेंद्र प्रसाद, प्रियांशु प्रसाद, गीतांजलि चंद, सरिता आर्य, हिमांशी आर्या, पायल जोशी, शिवानी आर्या, गीतांजलि भंडारी, माही आर्या और अन्य स्थानीय सहयोगियों ने अपना सक्रिय योगदान दिया। इस दौरान फ ाउंडेशन के सदस्यों ने वहां से गुजरने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने अपील की कि लोग कूड़ा केवल डस्टबिन में ही डालें और कांच की बोतलों व प्लास्टिक को खुले में न फेंकें। संस्था ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य नैनीताल के हर कोने को स्वच्छ और सुंदर बनाना है और इस तरह के अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगें।

NEWS / फटाफट

उत्तराखंड की संस्कृति व संस्कारों के संरक्षण हेतु यो पहाड़ फाउंडेशन सममानित

नैनीताल । उमंग द प्रिपरेटरी स्कूल के तत्वावधान में उमंग के रंग पहाड़ की संस्कृति के संग थीम पर उत्तराखंड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सममानित करने हेतु सममान समारोह का आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक पहल का आयोजन यूथ उत्तराखंड द्वारा किया गया जिसमें जेवीकेएसएस संस्था, मार्कण्डे श्री चैरिटेबल ट्रस्ट तथा संकल्प ट्री सहयोगी भागीदार के रूप में जुड़े।इस अवसर पर यो पहाड़ फ ाउंडेशन को उत्तराखंड की संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण, संवर्धन तथा युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोडने के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए सममानित किया गया। सममान समारोह में फ ाउंडेशन की ओर से कोषाध्यक्ष नीरज बिष्ट ने उपस्थित होकर सममान ग्रहण किया। यो पहाड़ फ ाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष बिष्ट, सचिव सागर सोनकर, उपाध्यक्ष दीपक पुल्स, दीपा बिष्ट,संयुक्त सचिव शिवा बिष्ट व चेतन मेहरा टेनिकल हेड सहित फ ाउंडेशन के सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने इस सममान पर प्रसन्नता एवं हर्ष व्यक्त किया।

नैनीताल के जीजीआईसी के एनएसएस शिविर में रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कालेज में चल रहे एनएसएस शिविर में रविवार को स्वयंसेवी छात्राओं की ओर से कई रचनात्मक कार्यक्रमों में भागीदारी निभायी गयी। इससे पूर्व रविवार को पंचम दिवस की शुरुआत प्रातः प्रार्थना सभा से हुई। प्रार्थना के पश्चात सभी स्वयंसेवियों ने कक्षा कक्षों एवं विद्यालय परिसर की स्वच्छता की गई,तत्पश्चात सभी शिविरार्थी ग्राम मनोरा में जागरूकता रैली हेतु गए। दूसरी ओर रविवार को एनएसएस के मंडलीय समन्वयक ललित मोहन पांडेय एवं जिला समन्वयक डॉ. जे. एस.नेगी द्वारा शिविर का औचक निरीक्षण किया गया,इस दौरान उन्हें शिविर की सभी व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से संचालित होती हुई मिलीं। ललित मोहन पांडेय एवं डॉ. जे. एस.नेगी द्वारा स्वयंसेवियों को एनएसएस के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई जबकि सायंकालीन बौद्धिक सत्र में फार्मासिस्ट श्रीमती भूमिका पंत द्वारा औषधियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की। इससे पूर्व शिविर की कार्यक्रम अधिकारी मोनिका बिष्ट ने सभी का स्वागत कर शिविर के दौरान अब तक शिविरार्थियों की ओर से किए गए कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस ने कोविड के दौरान पैरोल पर रिहा किया बंदी को गिरफ्तार किया

रुद्रपुर। एसएसपी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत ट्रांजिट कैंप पुलिस ने कोविड के दौरान कोर्ट से पैरोल पर रिहा किया गया बंदी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक एसपी क्राइम निहारिका तोमर और एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी के दिशा-निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व मे ट्राजिट कैंप पुलिस टीम कोविड के समय पर पैरोल पर रिहा किये गये बंदी को गिरफ्तार कर लिया। सीओ सिटी प्रशांत कुमार ने बताया कि थाना ट्राजिट कैंप में 23 जून 2020 को पीड़ित जितेन्द्र राठौर पुत्र सुरेश राठौर निवासी वार्ड 9 ट्राजिट कैंप की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पीड़ित के घर से सामान चोरी हुआ था। विवेचक मनोज कुमार ने चोरी के सामन के साथ दीपक कुमार पुत्र महातम कुश्वाहा निवासी वार्ड 3 संजयनगर खेड़ा को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान आरोपी को 9 जनवरी 2021 को 1-1 वर्ष का कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। सीओ सिटी ने बताया कि सजा काट रहे सिद्दोष बंदी दीपक कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक, कारागर एवं सुधार सेवा विभाग उत्तराखंड के (कोविड-19) के प्रसार के रोकथाम 2020 में उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित निर्देशों के अनुपालन में कारागारों से पैरोल/अन्तिम रुप से जमानत पर रिहा किये गये सिद्धदोष,विचाराधीन बन्दियों की पुनः गिरफ्तारी किये जाने के निर्देश दिये गये। सिद्धदोष बंदी दीपक कुमार की तलाश की गई और सिद्धदोष बन्दी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी एएसआई चन्द्र प्रकाश बवाडी,हेड कांस्टेबल अजय शाही आदि पुलिस कर्मी शामिल रहे।

नैनीताल में पर्यटन स्थल दिन भर रहे गुलजार, पर्यटन कारोबारी खुश

नैनीताल

हमारे संवाददाता

वीकेंड पर लगातार दूसरे दिन यानी रविवार को नैनीताल में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी , जिसकी वजह से नगर के सभी प्रमुख पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार रहे। दूसरी ओर वीकेंड में पर्यटकों की आमद बढने से पर्यटन कारोबारी खुश हैं।

रविवार को डे विजिट पर पहुंचने वाले पर्यटकों की सर्वाधिक रही,बता दें नगर में शुक्रवार सुबह से ही पर्यटकों का पहुंचना शुरू हो गया था जो रविवार देर शाम तक जारी रहा। नगर में पर्यटकों की आमद बढने से नगर के पर्यटन स्थल स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, वॉटरफ ॉल, चिडि ?ाघर, हिमालयन बाटनिकल गार्डन व केव गार्डन समेत अन्य स्थलों में पूरे दिन पर्यटकों की चहल पहल से रौनक देखने को मिली जबकि मालरोड में भी खासी रौनक रही। होटलों के अधिकांश कमरे पैक हो गए। नौका विहार करने वाले सैलानियों का तांता लगा रहा। खास बात यह भी है कि दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर खराब होने के कारण सैलानियों का बड़ी संखया में पहुंचना जारी है। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट के अनुसार आने वाले दिनों में भी पर्यटकों का पहुंचना जारी रहेगा। नववर्ष-2026 पर पहुंचने वाले सैलानियों की संखया सर्वाधिक रहेगी। नगर के उच्च स्तरीय होटलों के अधिकांश कमरे थर्टी फ र्स्ट पर एडवांस में बुक हो चुके हैं।

आरा-आराखेत में तेंदुए ने घोड़े को बनाया निवाला

अल्मोड़ा। जैंती तहसील के आरा-आराखेत में तेंदुए की दहशत से लोग खौफ में है। तेंदुआ बीते एक महीने दस अधिक कुत्तों और बकरियों को अपना निवाला बना चुका है। बीती शनिवार को तेंदुए ने फिर एक घोड़े को अपना शिकार बना लिया। घोड़ा स्वामी धनसिंह राजवार ने बताया कि गांव से लगे खेतों में उनका घोड़ा चरने गया था। जब घोड़ा घर नहीं वापस पहुंचा तो उसकी खोजबीन करने पर उसका शव खेतों के समीप गधेर में क्षत-विक्षत शव मिला।

इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग को दी। जागेश्वर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी आशुतोष जोशी ने बताया कि शिकायत मिलने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए की तलाश में गश्त की। बताया कि वन विभाग की टीम शिकायत मिलने पर फौरन दिन और रात में प्रभावित क्षेत्रों में गश्त कर रही है। इसके साथ ही लोगों को वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए जागरूक किया जा रहा है।

संभागीय परिवहन अधिकारी हल्द्वानी का लालपुर स्थित स्वचालित प्रशिक्षण केंद्र पर छापा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन हल्द्वानी गुरदेव सिंह ने लालपुर स्थित स्वचालित प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। उनके साथ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन ऊधम सिंह नगर मोहित कोठारी भी थे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वाहनों पर रिफलेक्टिव टेप न पाए जाने पर रिफलेक्टर टेप अनिवार्य रूप से लगाने को निर्देशित किया। रात्रि अथवा कोहरे के समय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निरीक्षण में संशोधित शुल्क सूची केंद्र पर चस्पा नहीं मिली। इस पर उन्होंने एटीएस इंचार्ज को सेंटर के अंदर और बाहर संशोधित शुल्क की सूची चस्पा करने को निर्देशित किया। ताकि पारदर्शितापूर्वक कार्य संपादित हो। उन्होंने एटीएम इंचार्ज को फिटनेस जारी करने से पूर्व टायर,हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट,लाइट,इंडिकेटर आदि की जांच अनिवार्य रूप से करने भी निर्देशित किया।केंद्र संचालक को वाहनों के फोटो अपलोड करते समय वाहनों के बैंक साइड की फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड करें। उन्होंने बताया कि

केंद्र पर की गई फिटनेस के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। केंद्र पर स्थापित सीसीटीवी का निरीक्षण किया। केंद्र में कार्यरत कार्मिकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई व उपस्थिति की जांच की गई। केंद्र संचालक को वाहन स्वामी/ चालक आदि के बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी आदि उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा में कोई समझौता नहीं होगा। फिटनेस प्रमाण पत्र केवल योग्य वाहनों को ही मिलेगा।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
–संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अभिमत

खाओ और खाने दो

लगातार शिकायतें आ रही हैं कि अधिकारी अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए परिजनों का कारोबार बढ़ा रहे हैं। सिर्फ जल निगम ही नहीं, बल्कि ऊर्जा विभाग, पेयजल, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई और अन्य महकमों के बारे में भी शिकायतों का अम्बार है। शिकायतें गलत नहीं हैं। संपत्ति छिपाना आसान नहीं है। सब जानते हैं कि किसके पास कितने भवन, कितने प्लॉट, कितने वाहन और निजी कारोबार है। बहुत ही कम समय में वेतन से कोई अमीर नहीं हो सकता है। वेतन के अतिरिक्त कमाई अनुचित माध्यम से हो सकती है।

उत्तराखंड समेत पूरे देश में नौकरशाही का रवैया एक जैसा है। पृथक राज्य का गठन होने के बाद उत्तराखंड में सबसे अधिक मौज अधिकारी व कर्मचारी कर रहे हैं। 'खाओ और खाने दो' की कहावत चारितार्थ हो रही है। शिकायतकर्ता के प्रभावी होने पर रिश्वतखोरी में उच्चाधिकारी से लेकर कर्मचारी भी पकड़े जा रहे हैं, परन्तु भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग रही है। अब कुछ अफसरों के बीच झगड़े की चपेट में पूरे राज्य के अधिकारी व कर्मचारी आ गये हैं। हाईकोर्ट ने सभी अफसरों और कर्मचारियों से अपनी और परिवार के सदस्यों की सम्पत्ति का ब्योरा देने का आदेश दिया है। सम्पत्ति का सटीक आकलन असंभव नहीं तो कठिन अवश्य है। सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी जानते हैं कि किसके पास आय से अधिक सम्पत्ति है और रातों-रात कैसे अमीर होते जा रहे हैं। परन्तु हमाम में सब एक जैसे होने के कारण कोई मुंह नहीं खोलता है। भंडाफोड़ तब हुआ जब यूपीसीएल के एक जूनियर इंजीनियर पर आरोप लगा कि स्मार्ट मीटर लगाने का काम उसकी पत्नी की फर्म को मिला है। मुख्य अभियंता स्तर पर जांच हो रही है। उधर जल निगम के अफसरों, कर्मचारियों और उनके परिजनों की संपत्ति को लेकर कई जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं। हाईकोर्ट ने संपत्तियों के फॉरेंसिक ऑडिट के निर्देश दिये हैं। कर्मचारी आचरण नियमावली में कार्मिकों के लिए संपत्तियों का ब्योरा देने का प्रावधान है। हालांकि अधिकारी और कर्मचारी इसका पालन नहीं करते हैं। लगातार शिकायतें आ रही हैं कि अधिकारी अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए परिजनों का कारोबार बढ़ा रहे हैं। सिर्फ जल निगम ही नहीं, बल्कि ऊर्जा विभाग, पेयजल, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई और अन्य महकमों के बारे में भी शिकायतों का अम्बार है। शिकायतें गलत नहीं हैं। संपत्ति छिपाना आसान नहीं है। सब जानते हैं कि किसके पास कितने भवन, कितने प्लॉट, कितने वाहन और निजी कारोबार है। बहुत ही कम समय में वेतन से कोई अमीर नहीं हो सकता है। वेतन के अतिरिक्त कमाई अनुचित माध्यम से हो सकती है। अधिकारी और कर्मचारी के साथ ही राजनीति से जुड़े लोगों की संपत्ति के बारे में भी चर्चा होती रहती है। मौका मिले तो छोड़ो नहीं के तहत सभी कमा रहे हैं। राजनीति अब जनसेवा नहीं है। राजनीति विशुद्ध रूप से कारोबार है। संपत्ति की जांच बिना भेदभाव के होनी चाहिए, न्यायालय के आदेश की जरूरत नहीं है।

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन भवाली की बैठक

बैठक में कई प्रस्ताव पारित

नैनीताल
हमारे संवाददाता

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन भवाली की बैठक रविवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपिल की अध्यक्षता में तथा सचिव कैलाश चंद्र सुयाल के संचालकत्व में आयोजित की गयी। बैठक में सर्वसममति से कई प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में होटल व्यवसायियों ने कहा कि प्रशासन की ओर से रोडवेज परिसर स्थित वाहन पार्किंग स्थल का उपयोग नहीं किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। कहा कि सरकार द्वारा व्यय किए गए करोड़ों से बनी पार्किंग का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है,सभी ने एक स्वर में कहा कि भवाली आने वाले वाहन युक्त पर्यटकों को भवाली नगर स्थित रोडवेज पार्किंग में सुविधा दी जाए। कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को खुटानी में भी परेशान किया जा रहा है जबकि भीमताल में पूर्व में ही उन्हें रोककर काफ ी विलंब से भेजा जा रहा है। खुटानी में पर्यटकों को अनावश्यक रूप से ना रोक कर भवाली भेजा जाए और वहां स्थित रोडवेज पार्किंग में उनके वाहन खड़ी की जाए इसके लिए बायपास रोड तथा नगर पालिका पार्किंग को भी मुहैया कराया जा सकता है। होटल व्यवसायियों ने नगर व नगर से बाहर तथा मार्गों के किनारे स्थित आवासीय भवनों में खुलेआम होमस्टे के नाम पर पर्यटकों को संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध रूप से ठहराया जाने का आरोप लगाया। कहा कि इससे होटल व्यवसायियों को तो आर्थिक हानि तो हो ही रही है साथ ही सरकार को भी राजस्व की हानि हो रही है साथ ही कोई अभिलेख न रखने के कारण गैर कानूनी गतिविधियों को भी प्रक्षय मिल रहा है। कहा कि यातायात व्यवस्था बाधित रहने से कई पर्यटक होटल में समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। कहा कि रामगढ़ रोड में चिकित्सालय के निकट स्थित खाली स्थान पर भी पार्किंग निर्माण की प्रक्रिया चल रही थी इस पर शीघ्र निर्णय लेकर पार्किंग निर्माण किया जाए जबकि इस कार्य के लिए धनराशि भी अवमुक्त की जा चुकी है जिसका सदुपयोग किया जाए ताकि नगर के व्यवसाईयों को लाभ प्राप्त हो सके । स्प्रिंग वुड होटल सभागार में आयोजित एसोसिएशन की बैठक में दीपक शाह, नरेश पांडे अध्यक्ष व्यापार मंडल भवाली, संजीव भगत संयुक्त सचिव, कंचन शाह अध्यक्ष व्यापार मंडल, ईश्वर सिंह थापा, कुलदीप सिंह बिष्ट, अमित पांडे, सुनील पांडे, विवेक रावत, अर्जुन बिष्ट,आनंद मिश्रा,गौरव पांडे, हर्षित सुयाल,अंकित पंटोला आदि पर्यटन कारोबारी मौजूद रहे। अंत में एसोसिएशन के महासचिव कैलाश चंद्र सुयाल ने सभी का आभार जताया।

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रुद्रपुर। शहर के इंदिरा चौक पर हादसे में बाईक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि साथी घायल हो गया। मौके पर सीपीयू और ट्रेफिक पुलिस पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यहां पर चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने जानकारी लेने के बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा है। पुलिस ने वाहन को भी कब्जे में ले लिया। घटना दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। काशीपुर की ओर से किच्छा की ओर जा रहा कंटेनर जब इंदिरा चौक से गुजर रहा था। इसी दौरान बिना नंबर की प्लेटिना बाईक कंटेनर की चपेट में आ गयी। कंटेनर का पिछला पहिया बाईक पर चढ़ गया। जिससे बाईक सवार युवक स्वार रामपुर निवासी 35 वर्षीय वसीम और रिजवान गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के दौरान मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। इसी बीच सीपीयू दरोगा दिनेश उप्रेती टीम के साथ पहुंचे।

चालक को वाहन के अंदर अंगीठी जलाने से, वाहन चालक की मौत

नैनीताल
हमारे संवाददाता

नोएडा (उत्तर प्रदेश) से पर्यटकों को लेकर नैनीताल पहुंचे वाहन चालक को वाहन के अंदर कोयले की अंगीठी जलाना महंगा पड़ गया। कोयलों की गैस लगने से चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित कर पंचनामे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिरोहा यमुनापार मथुरा (उत्तर प्रदेश) निवासी मनीष गंधार शनिवार को अपने टैकसी वाहन संखया यूपी 16-जेटी-8565 से नोएडा से पर्यटकों को लेकर नैनीताल पहुंचा था। रात करीब 9 बजे सूखाताल पार्किंग में वाहन पार्क कर भीतर वह अंगीठी में कोयला जलाकर कंबल ओढ ?र सो गया। सुबह करीब 8.30 बजे तक भी जब वह नहीं उठा तो पार्किंग कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने वाहन को हिलाडुला कर चालक को उठाने का प्रयास किया। लेकिन भीतर से कोई हरकत नहीं हुई तो शीशा तोड़कर बेसुध पड़े चालक को बाहर निकाला जिसके बाद पुलिस बेसुध चालक को तुरंत राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल ले गई, जहां डाकटरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले में एसपी (यातायात व अपराध) डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि चालक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है, जिनके पहुंचने के बाद पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। बताया कि चालक के मुंह से झाग निकल रहा था। प्रथम दृष्टिया कोयले की गैस लगने से चालक की मौत की संभावना जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के स्पष्ट कारण पता लग पाएगा।

ठंड से नवजात बच्चों को हो सकता है ब्रोंकियोलाइटिस का खतरा

नैनीताल । सरोवर नगरी नैनीताल में कड़ाके की ठंड में नवजात बच्चों को ब्रोंकियोलाइटिस का खतरा हो सकता है। इसी के मद्देनजर इन दिनों नगर के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में ठंड में नवजात के माता पिता को ब्रोंकियोलाइटिस से बच्चों को बचाने के लिए जरूरी सलाह दी जा रही है।

जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र सिंह मेर ने बताया कि ब्रोंकियोलाइटिस एक वायरस के कारण होने वाला फेफ ड़े का संक्रमण है। यह आमतौर पर सर्दियों के महीनों में देखा जाता है और 2 वर्ष से कम उम्र के छोटे बच्चों में सबसे आम है। बताया कि ठंड के दिनों में अगर बच्चा सांस छोड़ते समय घरघराहट की आवाजए फेफड़ों में हवा को अंदर और बाहर निकालने में परेशानी, जल्दी जल्दी सांस लेना, खांसी, नाक बहना और नाख बंद हो तो ब्रोंकियोलाइटिस हो सकता है।

फिल्मी दुनिया

अभिनय के अलावा इन कामों के लिए चर्चा में रहीं ट्विंकल खन्ना

90 के दशक में बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में देने वाली अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना आज अपना 52वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने अभिनय के अलावा कई दूसरे कामों में भी अपनी पहचान बनाई है। ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो अपनी अदाकारी के अलावा कई दूसरे कामों को लेकर सुर्खियों में रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दीं। अक्षय कुमार के साथ उनकी लव स्टोरी और शादी चर्चा में रही। उन्होंने एक लेखक के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने फिल्म निर्माता के तौर पर भी हाथ आजमाया है। अभिनेत्री के 52वें जन्मदिन के मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ अहम बातें। 29 दिसंबर 1973 को महाराष्ट्र के मुंबई में जन्मीं ट्विंकल खन्ना को अदाकारी विरासत में मिली। उनके पिता राजेश खन्ना बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर थे। उनकी मां डिंपल कपाड़िया बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद वह चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती थीं। हालांकि अपने माता-पिता के कहने पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री चुना। ट्विंकल खन्ना को फिल्मों में सबसे पहला ब्रेक बॉबी देओल के साथ फिल्म बरसात (1995) में मिला। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कामयाब रही। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। अगले साल वह फिल्म जान में नजर आईं। इसके बाद वह जब प्यार किसी से होता है, इंटरनेशनल खिलाड़ी, बादशाह और मेला जैसी शानदार फिल्मों में नजर आईं।

बेहतरीन लेखक हैं ट्विंकल

ट्विंकल खन्ना साल 2010 से अभिनय से दूर हैं। एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के अलावा ट्विंकल खन्ना एक अच्छी लेखिका भी हैं। वह मिसेज फनीबोन्स और पैजामाज आर फॉरगिविंग जैसी बेस्टसेलर किताबों की लेखिका हैं। फिल्म पैडमैन की कहानी उनकी किताब द लीजेंड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद से प्रेरित है। किताबें लिखने के अलावा वह अखबार के लिए कॉलम भी लिखती हैं।

देवीधूरा आरुखान व पटवाडांगर क्षेत्र में गुलदार की दशहत

नैनीताल
हमारे संवाददाता

नैनीताल के समीपवर्ती देवीधूरा, आरुखान व पटवाडांगर आदि ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित तीनों ग्रामीण क्षेत्रों में पैनी नजर रखने की मांग करते हुए क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बता दें कि नैनीताल के आसपास देवीधूरा व पटवाडांगर क्षेत्र में बीते लंबे समय से तेंदुओं की दस्तक से ग्रामीण दहशत में हैं। बीते दिनों पटवाडांगर व आरूखान क्षेत्र में तेंदुए दिखने से बच्चे स्कूल आने जाने में डर रहे थे, जिसके बाद वन विभाग की ओर से कुछ दिनों क्षेत्र में गश्त भी की गई।

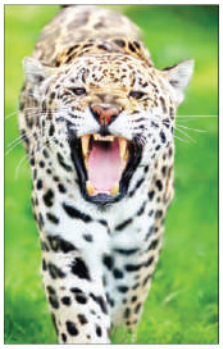

इन दिनों फिर आरूखान, पटवाडांगर व देवीधूरा क्षेत्र में कई बार तेंदुए के दिखने की बात ग्रामीण कह रहे हैं। देर शाम गांव के आसपास व गांव में तेंदुए की आवाजाही हो रही है। मामले में नैनीताल वन प्रभाग के

मनोरा वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि लोगों से सूचना मिलने के बाद लगातार प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त कराई जा रही है साथ ही लोगों से अपने घरों के आसपास साफ सफाई रखने की अपील के साथ शाम को अंधेरे में घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है।

News कॉर्नर

रुद्रपुर में दिनदहाड़े फायरिंग मजदूर की गोली लगने से मौत

रुद्रपुर। कोतवाली क्षेत्र फाजलपुर महरौला में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद के बाद 30 से अधिक राउंड फायरिंग हुई। इससे गोली लगने से खेत में काम करने आए बिहार निवासी मजदूर की मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास लोग एकत्र हुए तो दोनों पक्षों के लोग फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। को दी। पुलिस ने अस्पताल पहुंच शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को घटनास्थल से करीब आठ से अधिक खाली कारतूस भी बरामद हुए है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक फाजलपुर महरौला प्रीत विहार निवासी एक व्यक्ति की घर के पास ही जमीन है। जबकि बगवाड़ा निवासी एक व्यक्ति की भी उनसे सटी हुई जमीन है। दोनों का जमीन को लेकर विवाद चल रहा है जो न्यायालय में विचाराधीन है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रविवार सुबह साढ़े दस बजे के आसपास बगवाड़ा निवासी तीन पानी स्थित लेबर अड्डे से मजदूरों को जमीन पर पिछ्रर लगाने के लिए ट्रैक्टर ट्राली पर ले गया और जब वह मटर के खेत जोतने लगा तो पास में ही रहने वाले दूसरा पक्ष आ गया। उन्होंने खेत जोतने का विरोध किया। लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसी बीच एक दूसरे पर फायरिंग शुरू कर दी। करीब आधे घंटे तक हुई फायरिंग के दौरान दोनों पक्षों ने 30 से अधिक राउंड फायरिंग की खबर की चर्चा है। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सिटी ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस और एसओजी की तीन टीम गठित की गई है।

रुद्रपुर में कांग्रेसियों ने उत्तराखंड सरकार की निकासी शव यात्रा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

सोमवार को भगतसिंह चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए और यहां से अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर ?ारदार प्रदर्शन करते ऊउत्तराखंड सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए उत्तराखंड सरकार की शव यात्रा निकाली। उन्होंने इस प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग भी की। शव यात्रा भगतसिंह चौक से शुरू हुई और मुख्य बाजार होते हुए महाराजा रणजीत सिंह पार्क पहुंची। इस मौके

पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय जुनेजा ने कहा कि अंकिता भंडारी, पहाड़ की बेटी थी और उसे न्याय दिलाना केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा प्रश्न है। जिस प्रकार से इस मामले में प्रारंभिक स्तर पर साक्ष्य नष्ट किए गए, रिसॉर्ट को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया और जांच को सीमित दायरे में रखा गया, उससे सरकार की नीयत पर संदेह उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में उर्मिला राठौ ? के सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो और बयानों ने इस मामले को और अधिक गंभीर बना दिया है। एक भाजपा के बहुत ब ? कद्दावर नेता के ऊपर बहुत ही संगीन अरोप लगाये गए है। सरकार को तुरंत इन सारे तथ्यों की सीबीआई जांच करनी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार व जांच एजेंसियों के पास छिपाने को कुछ नहीं है, तो सीबीआई जांच से क्यों डर रही है? कहा कि एसआईटी जांच से केवल कुछ आरोपियों को सजा दिलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी आवश्यक है कि इस जघन्य अपराध के पीछे शामिल सभी प्रभावशाली लोगों की भूमिका सामने आए। इस मौके पर पवन वर्मा,दिनेश पंत, सौरभ शर्मा,सौरभ बेहड़, सुनील जडवानी, मोहन खेड़ा, मोहन कुमार,प्रांजल गाबा,आशीत बाला, विक्रमजीत सिंह,राम कृष्ण कनौजिया, विकास मझिक, रंजीत तिवारी,तपन विश्वास, देवानंद स्वर्णकार,रमैन विश्वास, महबूब अंसारी,नदीम खान, इंद्रजीत सिंह, प्रशांत शाही समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

इंकलाबी मजदूर केंद्र ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

इंकलाबी मजदूर केंद्र रुद्रपुर के बैनर तले उत्तराखंड की अंकिता भंडारी और यूपी के उन्नाव निवासी रेप पीड़िता बिटिया को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जुलूस निकाला। जुलूस मजदूर बस्ती विकास नगर से शिवपुरम मुख्य मार्ग पर पहुंचा और अशोक विहार आनन्द विहार चौराहे पर पहुंच केंद्र सरकार का पुतला दहन किया।

यहां पर वक्ताओं ने एक स्वर में हत्यारे बलात्कारी कुलदीप सेंगर को आजीवन कारावास की सजा देने की मांग की। घटना को शर्मनाक बताया। इससे कुलदीप सेंगर जैसे हत्यारे बलात्कारियों के हौंसले बुलंद होंगे। कहा कि उत्तराखंड में अंकिता भंडारी प्रकरण में एक बार फिर से वीआईप का नाम उजागर हुआ है। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी का नाम भी उछल रहा है। उन्होंने भाजपा की ट्रोल आर्मी,सरकार और

प्रशासन उजागर हुए ऑडिओ,वीडियो की फॉरेनसिंक जाँच कराने, घटना के दिन उनकी मोबाईल की लोकेशन की जानकारी उजागर करने की मांग उठाई है। वक्ताओं ने जनभावनाओं के तहत पूरे प्रकरण की सीबीआई जाँच भी हो। वक्ताओं ने कहा कि उपरोक्त दोनों घटनायें पुनः उजागर कर रहीं हैं। वक्ताओं का आरोप है कि राज्य मशीनरी आम जनता की बेटियों को न्याय दिलाने को उठने वाली आवाज को किस निर्ममता से कुचल रही है। वीआईपी को बचाने को भाजपा सरकारें किस तरह से मुस्तैद रहतीं हैं। यहां पर इंकलाबी मजदूर केंद्र से कैलाश, दिनेश, पिंकी गंगवार, लोकेश, सुनीता, कृष्णा देवी, राजेश, प्रेमपाल, सुनीता, पिंकी, कमलेश देवी, पिंकी, उर्मिला, मिथिलेश देवी, सुनील, कविता, सौरभ, गणेश बोरा आदि मौजूद रहे।

दो कारों की भिड़ंत, पांच घायल, युवती की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर किया रेफर

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल- कालाढूंगी मोटर मार्ग पर रविवार को बजून क्षेत्र में एक कार के सड़क किनारे पार्क कार में टकराने से पांच लोग घायल हो गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवती को हायर सेंटर रेफ र कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक पंचकुला निवासी राकेश अल्मोड़ा जिले के भिकयासैण में एक बैंक में तैनात है। रविवार को वह अपनी कार एचआर 49 जे- 04690 से मंगेतर पुष्पलता के साथ कैंची धाम जा रहे था। बजून क्षेत्र में पहुंचने पर पुष्पलता को उल्टी आने लगी तो उन्होंने कार सड? किनारे पार्क कर ली। पुष्पलता उल्टी करने बाहर उतरी ही थी कि सामने से आ रही तेज रफतार कार संखया यूपी 14 एलबी-7944 उनकी कार से भिड़ गई। टक्कर मारने के बाद कार पलटकर सड़क के दूसरी ओर जा पहुंची। हादसे में पुष्पलता और दूसरी कार में सवार चालक गाजियाबाद नोएडा निवासी सुरजीत सिंह, विनय राठी तथा मोहित शर्मा व मोहित मलिक भी घायल हो गए। गनीमत रही कि कार के एयर बैग खुल गए और कार में सवारों को गंभीर चोट नहीं आई लेकिन पुष्पलता घायल होने के बाद बेसुध हो गई। इस दौरान स्थानीय लोगों व राहगीरों ने घायलों को कार व सड? से हटाया, जिसके बाद घायल महिला को निजी वाहन से नैनीताल स्थित राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, साथ ही अन्य घायलों को भी जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों के उपचार के बाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत ने हादसे की जानकारी ली। मामले में एसपी (यातायात व अपराध) डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि युवती की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफ र कर दिया गया है। अन्य घायलों को भी प्राथमिक उपचार दिया गया है। मामले में अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फि लहाल दोनों वाहनों को सड? से हटाकर यातायात सुचारु करवा दिया गया है। पूछताछ पर कार की गति तेज होने को हादसे का कारण बताया जा रहा है लेकिन अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ: स्थापना से शताब्दी तक की अनवरत यात्रा (1925-2025)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) की स्थापना 27 सितंबर 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नागपुर में की गई। डॉ. हेडगेवार ने उस समय के भारत को गहराई से देखा— जहाँ राजनीतिक पराधीनता के साथ-साथ समाज आंतरिक विघटन, जातिगत विभाजन, सांस्कृतिक हीनता और संगठनहीनता से जूझ रहा था। उनका निष्कर्ष स्पष्ट था कि यदि राष्ट्र को स्थायी रूप से सशक्त बनाना है, तो उसके मूल में खड़े व्यक्ति और हिंदू समाज को सुदृढ़ करना होगा। इसी विचार से साथ संघ का कार्य प्रारंभ हुआ।

राष्ट्र सर्वोपरि इस मंत्र के साथ संघ राष्ट्र को केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना मानता है, जिसकी जड़ें हजारों वर्षों की सभ्यता में समाई हुई हैं। संघ का विश्वास है कि राष्ट्र की मजबूती राजनीतिक घोषणाओं से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना एवं व्यक्ति निर्माण से होगा।उस समय भारतीय समाज औपनिवेशिक शासन, सामाजिक विघटन, सांस्कृतिक आत्मविस्मृति, हीन भावना और राष्ट्रीय असंगठन की स्थिति से गुजर रहा था। संघ की स्थापना का उद्देश्य किसी राजनीतिक सत्ता की प्राप्ति नहीं, बल्कि अनुशासित, चरित्रवान और राष्ट्रनिष्ठ व्यक्ति एवं समाज का निर्माण रहा है।

पिछले लगभग 100 वर्षों में संघ ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय समाज, संस्कृति, सेवा, शिक्षा, श्रम, जनजातीय उत्थान, आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में व्यापक भूमिका का निर्वहन किया है। संघ का मूल विचार व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण ही है। संघ का मानना है कि सशक्त राष्ट्र का आधार सशक्त, संस्कारित और समाज के प्रति उत्तरदायी व्यक्ति ही होता है। राष्ट्र सर्वोपरि,सामाजिक समरसता, अनुशासन और स्वयंसेवा, सांस्कृतिक एकता, निःस्वार्थ सेवा जैसे जीवन मूल्य हर व्यक्ति में होना आवश्यक है।संघ कार्य का मूल आधार सदा से संघ की शाखाएं ही रही है जो प्रतिदिन या साप्ताहिक रूप से प्रातः एवं सायं में लगती है। इसमें कोई भी व्यकि जा सकता है शाखा में खेल, व्यायाम और अनुशासन के माध्यम से शरीर को सुदृढ़ किया जाता है, बौद्धिक चर्चाओं और गीतों के माध्यम से विचार स्पष्ट होते हैं, और सामूहिक जीवन के अभ्यास से सामाजिक समरसता का संस्कार स्वयं जन्म लेता है।

यहां जाति, भाषा, वर्ग या क्षेत्र का भेद अपने आप समाप्त हो जाता है और मैं की जगह हम का सामूहिक भाव विकसित होता है।जहां स्वयंसेवक एकत्र होकर शारीरिक, बौद्धिक, देशभक्ति से ओत प्रोत गीत, सामूहिक खेलकूद एवं कठिन अनुशासन के अभ्यास द्वारा अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं एवं समाज निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाते है ,शाखा केवल अभ्यास का केंद्र नहीं बल्कि नेतृत्व क्षमता विकसित करने,सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने,जाति, वर्ग, भाषा से ऊपर उठकर सामाजिक एकता की समझ विकसित करने एवं सेवा कार्यों की प्रेरणा देने का केंद्र भी है।

संघ ने हमेशा स्वयं को प्रत्यक्ष राजनीतिक आंदोलन से अलग रखा, परंतु समाज में राष्ट्रीय चेतना के जागरण,युवाओं में अनुशासन और देशभक्ति का संचार करने,सांस्कृतिक आत्मसम्मान का भाव विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघ का उदय ऐसे समय हुआ जब स्वतंत्रता आंदोलन अपने उफान पर था। संघ ने स्वयं को दीर्घकालीन सामाजिक चेतना पर केंद्रित रखा।संघ के स्वयंसेवको ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी शामिल होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संघ हमेशा से संगठनात्मक रूप से व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के कार्य पर केंद्रित रहा है।संघ की स्थापना के पीछे मूल धारणा यही थी कि राजनीतिक स्वतंत्रता तभी स्थायी हो सकती है जब समाज देशभक्त, संगठित, अनुशासित और आत्मविश्वासी हो। 1947 में स्वतंत्रता के साथ भारत के सामने कई नई चुनौतियाँ आईं,विभाजन की त्रासदी, शरणार्थियों का पुनर्वास, सामाजिक अस्थिरता और राष्ट्रीय एकता की परीक्षा। इन सब चुनौतियों का संघ स्वयंसेवकों ने बिना किसी सरकारी आदेश या प्रचार प्रसार के सामना किया।शरणार्थी शिविरों में सेवा कार्य किया,भोजन, वस्त्र और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाई एवं पुनर्वास में भी सहयोग किया। स्वतंत्रता के बाद संघ का कार्यक्षेत्र और अधिक व्यापक हुआ। उसने अनुभव किया कि समाज के प्रत्येक क्षेत्र—शिक्षा, श्रम, कृषि, जनजातीय जीवन, विद्यार्थी, महिला सशक्तिकरण हेतु संगठित प्रयास आवश्यक हैं। संघ की प्रेरणा से स्थापित विद्या भारती ने शिक्षा को केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्रबोध का माध्यम बनाया।

ग्रामीण, वनवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना कर शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का पुनीत कार्य किया। इसी प्रकार सेवा भारती और सेवा से जुड़े अन्य सेवा संगठनों ने स्वावलंबन,आपदा राहत झुग्गी-बस्तियों और दूरस्थ क्षेत्रों में सेवा के माध्यम से यह सिद्ध किया कि राष्ट्रसेवा शब्दों से नहीं बल्कि प्रत्यक्ष कर्म करने से होती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक विभाजन को पाटने एवं ग्रामीण और शहरी समाज को जोड़ने हेतु भागीरथ प्रयास किए। संघ ने सामाजिक समरसता को केवल नारा नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने का कार्य किया। जातिगत भेदभाव को समाप्त करने और समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य संघ की आंतरिक साधना का हिस्सा हमेशा से रहा है।जब-जब देश पर किसी भी प्रकार का आंतरिक और बाह्य संकट आया, संघ के स्वयंसेवक बिना किसी औपचारिक भूमिका के समाज के बीच हमेशा खड़े दिखाई दिए।

1962, 1965 और 1971 के युद्धों के समय नागरिक सुरक्षा, रक्तदान, शरणार्थी सहायता और अनुशासन बनाए रखने में स्वयंसेवकों ने पूर्ण मनोयोग से सहयोग किया। प्राकृतिक आपदाओं—भूकंप, बाढ़, सुनामी, महामारी—में संघ एवं संघ प्रेरित संगठनों ने प्रशासन के साथ मिलकर त्वरित राहत और दीर्घकालीन पुनर्वास का कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य किया।भूकंप (लातूर, गुजरात) में हो,केरल में बाढ़ की स्थिति हो,सुनामी (2004) हो,केदारनाथ आपदा हो या कोविड-19 महामारी हर संकट के क्षणों में संघ के स्वयंसेवक अग्रिम पंक्ति में सहयोग करते दिखाई दिए।

संघ ने समय के साथ समाज के अलग-अलग क्षेत्रों के लिए स्वतंत्र संगठन खड़े किए, जिन्हें संघ परिवार या विचार परिवार कहा जाता है।शिक्षा क्षेत्र मे विद्या भारती, श्रमिक क्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ,किसानो के क्षेत्र में भारतीय किसान संघ,विद्यार्थियों में विद्यार्थी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, वनवासी क्षेत्र में वनवासी कल्याण आश्रम,सेवा कार्य हेतु सेवा भारती,महिला सशक्तिकरण हेतुराष्ट्र सेविका समिति,धर्म-संस्कृति के क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद,राजनीतिक क्षेत्र में पूर्व में जनसंघ जो अब भारतीय जनता पार्टी के रूप में विश्व की सबसे बड़ा राजनीतिक पार्टी है। इसके अतिरिक्त संघ प्रेरणा से सैकड़ों संगठन समाज निर्माण के कार्य में संलग्न है ये सभी संगठन अपने अपने क्षेत्रों में कार्य करते हुए नंबर एक बने हुए है। संघ पर कई बार प्रतिबंध भी लगे जिसका स्वयंसेवकों ने धैर्य के साथ संगठनात्मक प्रतिबद्धता से सामना किया।

सर्वप्रथम 1948 में गांधी हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगाया गया जिसमें हजारों स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी हुई।जांच में संघ की संलिप्तता सिद्ध नहीं हुई। अतः प्रतिबंध हटाया गया। 1975-77 आपातकाल के दौरान संघ पर पुनः प्रतिबंध लगाया गया जिसके बाद स्वयंसेवकों ने लोकतंत्र बहाली आंदोलन में अपनी भूमिका का निर्वहन किया।कई स्वयंसेवक जेल में रहे,कई ने भूमिगत रहते हुए कार्य किया, सत्याग्रह किया। अहिंसक और अनुशासित आचरण के साथ एकजुट रहकर एवं विचारधारा पर अडिग रहते हुए कानूनी और लोकतांत्रिक मार्ग अपनाकर कार्य किया। लगभग सौ वर्षों की इस यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी शाखाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सत्ता के शिखर से अधिक समाज से जुड़कर कार्य किया है। संघ का कार्य न तो त्वरित परिणामों के लिए होता है, न ही प्रचार प्रसार के लिए— बल्कि एक सतत, मौन और दीर्घकालिक साधना के रूप में संघ कार्य होता है। 100 वर्ष पूर्ण कर चुका यह संगठन भारतीय समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों की यह लंबी यात्रा दर्शाती है कि संघ ने स्वयं को एक दीर्घकालिक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन के रूप में स्थापित किया है। संघ का प्रभाव प्रत्यक्ष सत्ता से अधिक समाज निर्माण, देशभक्ति, पसामाजिक चेतना जागरण और संगठनात्मक क्षमता बढ़ाने में परिलक्षित होता है।संघ का मूल्यांकन न तो केवल समर्थन या विरोध के आधार पर किया जा सकता है, बल्कि उसे भारतीय समाज की एक महत्वपूर्ण सामाजिक आवश्यकता के रूप में समझने की जरूरत है, जिस पर समाज का विश्वास निरंतर बढ़ रहा है एवं जिसे समाज आशा भरी निगाहों से भी देख रहा है।पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शाखाओं के माध्यम से संगठनात्मक निरंतरता, समाज सेवा, देशभक्ति, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय संकटों में अपनी सहभागिता एवं अन्य व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव भी डाला है।संघ की कार्यशैली धीमी लेकिन दीर्घकालिक और जमीनी रही है।उसका प्रभाव समाज-निर्माण में भी दिखता है आने वाले समय में संघ समाज में समरस होकर समाज और राष्ट्रनिर्माण में और अधिक सशक्त भूमिका का निर्वहन करने की ओर अग्रसर है।

-डॉ.बृजेश बनकोटी
सहायक क्षेत्रीय निदेशक
उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी